अध्याय

06

अन्तर्राष्ट्रीय संगठन

परिचय

वह संगठन जिसका गठन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई देश मिलकर करते हैं अंतर्राष्ट्रीय संगठन कहलाते हैं जैसे संयुक्त राष्ट्र संघ, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा, यूनेस्को इत्यादि ।

अंतर्राष्ट्रीय संगठन की आवश्यकता

द्वितीय विश्व युद्ध (1939 - 1945) में बड़े पैमाने पर हुए धन जन की हानि को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़े संगठन की आवश्यकता महसूस हुई जो भविष्य में ऐसी बर्बरता को रोके और मानव समुदाय का कल्याण कर सकें। अंतर्राष्ट्रीय संगठन हर मर्ज की दवा नहीं लेकिन महत्वपूर्ण जरूर है।

अंतर्राष्ट्रीय संगठन

- अंतर्राष्ट्रीय संगठन युद्ध और शांति के मामले में मदद करते हैं ।
- विदेशी सहायता करते हैं ताकि हम सबकी बेहतर जीवन स्थितियां कायम हो।
- देशों के बीच मनमुटाव और झगड़े के मसलों पर बातचीत कर सकते हैं, उसका एक शांतिपूर्ण समाधान ढूंढ सकते हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय संगठन शक्तिशाली राज्य नहीं होता, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय संगठन का निर्माण विभिन्न राज्य करते हैं और यह उनके मामलों के लिए जवाबदेह होता है।
- अंतर्राष्ट्रीय संगठन अधिकांश झगड़ों का समाधान बिना युद्ध के ही करते हैं इस संदर्भ में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।
- अंतर्राष्ट्रीय संगठन चुनौतियों का सामना करते हैं और उनका समाधान भी निकालते हैं जैसे विश्वव्यापी बीमारियां, ग्लोबल वार्मिंग इत्यादि।

शीत युद्ध के बाद के समय में कुछ संगठनों ने बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है खासकर विश्व की अर्थव्यवस्था के संदर्भ में इनमें से एक अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष है

© JCERT not to be republished

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

यह संगठन वैश्विक स्तर की वित्त व्यवस्था की देखरेख करता है, और मांगे जाने पर वित्तीय तथा तकनीकी सहायता मुहैया कराता है। 189 (12 अप्रैल 2016 की स्थिति) देश अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सदस्य हैं।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में मताधिकार का अधिकार

- 189 सदस्य देशों के राय का वजन बराबर नहीं है
- समूह 7 के सदस्य अमेरिका, जापान, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, इटली, और कनाडा के पास 41.29% मात्र है
- अन्य अग्रणी सदस्यों में चीन(6.09%)
- भारत(2.64%)
- रूस(2.5%)
- ब्राज़ील (2.22%)
- और सऊदी अरब (2.02%) है।
- अकेले अमेरिका के पास 16.52% प्रतिशत मताधिकार है।

राष्ट्र संघ (लीग ऑफ नेशंस)

पहले विश्व युद्ध (1914-19) ने दुनिया को इस बात के लिए जगाया की झगड़ों के निपटारे के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन बनाने का प्रयास जरूर किया जाना चाहिए इसके परिणाम स्वरूप लीग ऑफ नेशंस का जन्म 1920 में हुआ।

लीग ऑफ नेशंस की असफलता

यह संगठन दूसरा विश्व युद्ध(1939-45) न रोक सका पहले की तुलना में इस महायुद्ध में कहीं ज्यादा लोग मारे गए और घायल हुए।

संयुक्त राष्ट्र संघ

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद लीग आफ नेशंस के उत्तराधिकारी के रूप में संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद 24 October सन् 1945 में इसे स्थापित किया गया। वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य देशों की संख्या 195 है।

संयुक्त राष्ट्रसंघ की स्थापना

अगस्त 1941: अमरीकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट और ब्रितानी प्रधानमंत्री चर्चिल द्वारा अटलांटिक चार्टर पर हस्ताक्षर किए गए।

जनवरी 1942: धुरी शक्तियों के खिलाफ लड़ रहे 26 मित्र - राष्ट्र अटलांटिक चार्टर के समर्थन में वाशिंग्टन में मिले और दिसंबर 1943 में संयुक्त राष्ट्रसंघ की घोषणा पर हस्ताक्षर हुए।

फरवरी 1945: तीन बड़े नेताओं (रूजवेल्ट, चर्चिल और स्टालिन) ने याल्टा सम्मेलन में प्रस्तावित अंतर्राष्ट्रीय संगठन के बारे में संयुक्त राष्ट्रसंघ का एक सम्मेलन करने का निर्णय किया।

अप्रैल-मई 1945: सेन फ्रांसिस्को में संयुक्त राष्ट्रसंघ का अंतर्राष्ट्रीय संगठन बनाने के मसले पर केंद्रित दो महीने लंबा सम्मेलन संपन्न ।

© JCERT not to be republished

26 जून 1945: संयुक्त राष्ट्रसंघ चार्टर पर 50 देशों के हस्ताक्षर। पोलैंड ने 15 अक्टूबर को हस्ताक्षर किए। इस तरह संयुक्त राष्ट्रसंघ में 51 मूल संस्थापक सदस्य हैं।

24 अक्टूबर 1945: संयुक्त राष्ट्रसंघ की स्थापना। 24 अक्टूबर संयुक्त राष्ट्रसंघ दिवस।

30 अक्टूबर 1945: भारत संयुक्त राष्ट्रसंघ में शामिल।

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना (JCERT book page no-84)

यह संयुक्त राष्ट्रसंघ का प्रतीक चिह्न है। इसमें दुनिया का नक्शा बना हुआ है और इसके चारों तरफ जैतून की पत्तियाँ हैं। ये पत्तियाँ विश्व शांति का संकेत करती हैं। www.un.org से साभार

संयुक्त राष्ट्र संघ के छह (6) प्रमुख अंग हैं

1) आम सभा

2) सुरक्षा परिषद

3) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय

4) सचिवालय

5) आर्थिक और सामाजिक परिषद

6) न्यासीता परिषद

संयुक्त राष्ट्रसंघ की संरचना

प्रमुख अंग

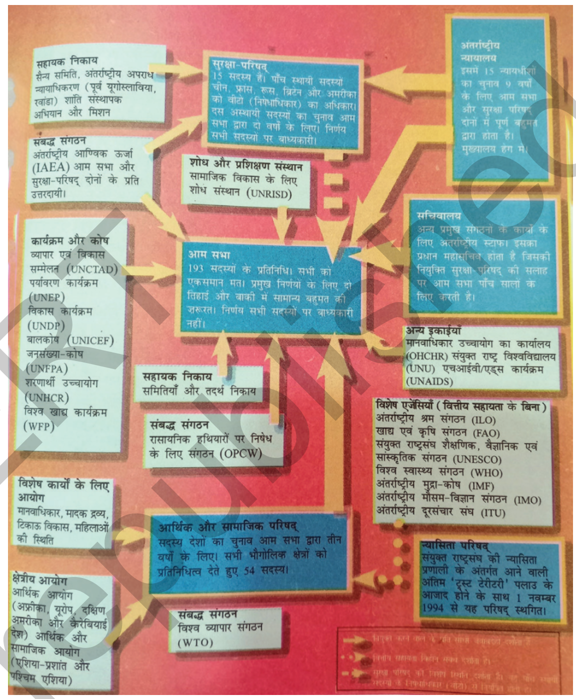

संयुक्त राष्ट्र संघ के छह (6) प्रमुख अंगों (JCRT Page No. 85)

संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्य

- संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्य।
- अंतर्राष्ट्रीय झगड़ों को रोकना और राष्ट्रों के बीच सहयोग की राह दिखाना।
- यह संगठन में विभिन्न देशों के बीच जारी झगड़ों को रोकने का काम करेगा जो आगे चलकर युद्ध का रूप ले सकता है।

© JCERT not to be republished

- यदि युद्ध छिड़ जाए तो शत्रुता के दायरे को सीमित करने का काम करेगा।
- पूरे विश्व में सामाजिक आर्थिक विकास की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों को एक साथ लाने का प्रयास करना।

सुरक्षा परिषद

सुरक्षा परिषद संयुक्त राष्ट्र संघ का सबसे अधिक प्रभावशाली व प्रभावी अंग है

संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में पांच स्थाई सदस्य हैं इनके नाम हैं अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन। दूसरे युद्ध के तुरंत बाद के समय में यह देश सबसे ज्यादा ताकतवर थे और इस महायुद्ध के विजेता भी रहे। इसीलिए इन्हें स्थाई सदस्य के रूप में चुना गया।

इन्हें वीटो (निषेधाधिकार) का अधिकार प्राप्त है।

सुरक्षा पारिषद में दस अस्थायी सदस्य हैं जो दो वर्षों के लिए चुने जाते हैं। इस अवधि के बाद उनकी जगह नए सदस्यों का चयन होता है।

NOTE:- सुरक्षा परिषद में कुल सदस्यों की संख्या पंद्रह (15) है।

सुरक्षा परिषद के सदस्य बनने के लिए कुछ मानदंड सुझाए गए हैं

बड़ी आर्थिक ताकत होना चाहिए।

बड़ी सैन्य ताकत होना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट में ऐसे देश का योगदान ज्यादा हो। (वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका का योगदान सर्वाधिक)।

आबादी के लिहाज से बड़ा राष्ट्र हो।

ऐसा देश जो लोकतंत्र और मानवाधिकारों का सम्मान करता हो।

ग्रह देश ऐसा हो कि अपने भूगोल, अर्थव्यवस्था और प्रकृति के लिहाज से विश्व की विविधता की नुमाइंदगी करता हो।

NOTE:- सुरक्षा परिषद में भारत भी एक स्थाई सदस्य बनना चाहता है क्योंकि भारत के पास स्थाई सदस्य बनने के सभी मानदंड मौजूद हैं।

स्थाई सदस्यों द्वारा वीटो-पावर का इस्तेमाल (1 जून 2018 तक)

संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव

संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रधान प्रतिनिधि महासचिव होता है

प्रथम महासचिव ट्राईग्व ली थें। वर्तमान महासचिव एंटोनियो गुटेरेस हैं। उन्होंने महासचिव का पद 1 जनवरी 2017 को संभाला। यह 1995 से 2000 तक पुर्तगाल के प्रधानमंत्री और 2005 से 2015 तक यूनाइटेड नेशंस हाई कमिश्नर फॉर रिफ्यूजीज रहें।

© JCERT not to be republished

संयुक्त राष्ट्रसंघ के सालाना बजट में सर्वाधिक योगदान करने वाले देश (2019)		
क्र. स.	सदस्य	%
	संयुक्त राज्य अमेरिका	22.0
	चीन	12.0
	जापान	8.5
	जर्मनी	6.0
	यू. के.	4.5
	फ्रांस	4.4
	इटली	3.3
	ब्राज़ील	2.9
	कनाडा	2.7
	रूस	2.4
	दक्षिण कोरिया	2.2
	ऑस्ट्रेलिया	2.2
	स्पेन	2.1
	तुर्की	1.3
	नीदरलैंड	1.3
	मैक्सिको	1.2
	सऊदी अरब	1.1
	स्विटज़रलैंड	1.1
	अर्जेंटीना	0.9
	स्वीडन	0.9
	भारत	0.8

© JCERT not to be republished

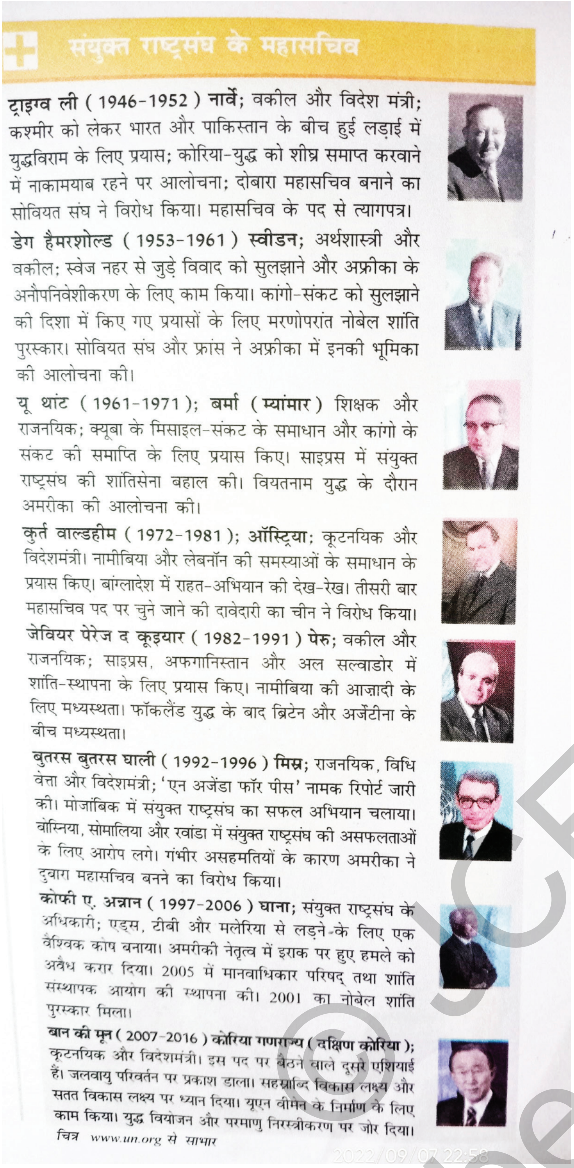

संयुक्त राष्ट्रसंघ के महासचिव

ट्राइग्व ली (1946-1952) नार्वे; वकील और विदेश मंत्री; कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच हुई लड़ाई में युद्धविराम के लिए प्रयास; कोरिया-युद्ध को शीघ्र समाप्त करवाने में नाकामयाब रहने पर आलोचना; दोबारा महासचिव बनाने का सोवियत संघ ने विरोध किया। महासचिव के पद से त्यागपत्र।

डेग हैमरशोल्ड (1953-1961) स्वीडन; अर्थशास्त्री और वकील; स्वेज नहर से जुड़े विवाद को सुलझाने और अफ्रीका के अनौपनिवेशीकरण के लिए काम किया। कांगो-संकट को सुलझाने की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए मरणोपरांत नोबेल शांति पुरस्कार। सोवियत संघ और फ्रांस ने अफ्रीका में इनकी भूमिका की आलोचना की।

यू थांट (1961-1971); बर्मा (म्यांमार) शिक्षक और राजनयिक; क्यूबा के मिसाइल-संकट के समाधान और कांगो के संकट की समाप्ति के लिए प्रयास किए। साइप्रस में संयुक्त राष्ट्रसंघ की शांतिसेना बहाल की। वियतनाम युद्ध के दौरान अमरीका की आलोचना की।

कुर्त वाल्डहीम (1972-1981); ऑस्ट्रिया; कूटनयिक और विदेशमंत्री। नामीबिया और लेबनॉन की समस्याओं के समाधान के प्रयास किए। बांग्लादेश में राहत-अभियान की देख-रेख। तीसरी बार महासचिव पद पर चुने जाने की दावेदारी का चीन ने विरोध किया।

जेवियर पेरेज द कूइयार (1982-1991) पेरू; वकील और राजनयिक; साइप्रस, अफगानिस्तान और अल सल्वाडोर में शांति-स्थापना के लिए प्रयास किए। नामीबिया की आज़ादी के लिए मध्यस्थता। फॉकलैंड युद्ध के बाद ब्रिटेन और अर्जेंटीना के बीच मध्यस्थता।

बुतरस बुतरस घाली (1992-1996) मिस्र; राजनयिक, विधि वेत्ता और विदेशमंत्री; 'एन अजेंडा फॉर पीस' नामक रिपोर्ट जारी की। मोजांबिक में संयुक्त राष्ट्रसंघ का सफल अभियान चलाया। बोस्निया, सोमालिया और रवांडा में संयुक्त राष्ट्रसंघ की असफलताओं के लिए आरोप लगे। गंभीर असहमतियों के कारण अमरीका ने दुबारा महासचिव बनने का विरोध किया।

कोफी ए. अन्नान (1997-2006) घाना; संयुक्त राष्ट्रसंघ के अधिकारी; एड्स, टीबी और मलेरिया से लड़ने के लिए एक वैश्विक कोष बनाया। अमरीकी नेतृत्व में इराक पर हुए हमले को अवैध करार दिया। 2005 में मानवाधिकार परिषद् तथा शांति संस्थापक आयोग की स्थापना की। 2001 का नोबेल शांति पुरस्कार मिला।

बान की मून (2007-2016) कोरिया गणराज्य (दक्षिण कोरिया); कूटनयिक और विदेशमंत्री। इस पद पर बैठने वाले दूसरे एशियाई हैं। जलवायु परिवर्तन पर प्रकाश डाला। सहस्राब्दि विकास लक्ष्य और सतत विकास लक्ष्य पर ध्यान दिया। यूएन वीमेन के निर्माण के लिए काम किया। युद्ध वियोजन और परमाणु निरस्त्रीकरण पर जोर दिया।

चित्र www.un.org से साभार

2022/09/07 22:58

संयुक्त राष्ट्र संघ की शाखाएं और एजेंसियां

संयुक्त राष्ट्र संघ की कई शाखाएं और एजेंसियां है इसके सदस्य देशों के बीच युद्ध और शांति तथा वर्ग विरोध पर आम सभा में भी चर्चा होती है और सुरक्षा परिषद में भी सामाजिक और आर्थिक मुद्दों से निपटने के लिए कई एजेंसियां है जो निम्नलिखित हैं।

- संयुक्त राष्ट्र संघ की शाखाएं और एजेंसियां
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)
- संयुक्त राष्ट्र संघ विकास कार्यक्रम (UNDP)
- संयुक्त राष्ट्र संघ मानवाधिकार आयोग (UNHRC) 4.5) संयुक्त राष्ट्र संघ शरणार्थी उच्चायोग (UNHCR)
- संयुक्त राष्ट्र संघ बाल कोष (UNICEF)
- संयुक्त राष्ट्र संघ शैक्षिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)

शीत युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ में सुधार

संयुक्त राष्ट्र संघ के सामने दो तरह के बुनियादी सुधारों का मसला है

- दो बुनियादी सुधार
- इस संगठन की बनावट और इसकी प्रक्रिया में सुधार किया जाए
- इस संगठन के न्याय अधिकार में आने वाले मुद्दों की समीक्षा की जाए।

शीत युद्ध के बाद आए बदलाव

- बदलाव
- सोवियत संघ बिखर गया
- अमेरिका सबसे ज्यादा ताकतवर हो गया
- सोवियत संघ के उत्तराधिकारी राज्य रूस और अमेरिका के बीच संबंध कहीं ज्यादा सहयोगात्मक
- चीन बड़ी तेजी से एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, भारत भी तेजी से इस दिशा में अग्रसर है

© JCERT not to be republished

- एशिया की अर्थव्यवस्था अप्रत्याशित दर से तरक्की कर रह हैं
- अनेक नए देश संयुक्त राष्ट्र संघ में शामिल हुए हैं जो सोवियत संघ से आजाद हुए हैं तथा पूर्वी यूरोप के भूतपूर्व साम्यवादी देश हैं

विश्व के सामने चुनौतियां

i. जनसंहार

ii. गृह युद्ध

iii. जातीय संघर्ष

iv. आतंकवाद

v. परमाण्विक प्रसार

vi. जलवायु में बदलाव

vii. पर्यावरण की हानि

viii. महामारी।

1992 में संयुक्त राष्ट्र संघ की आम सभा में एक प्रस्ताव में स्वीकृत तीन मुख शिकायतें थे

- आम सभा 1992
- तीन मुख्य शिकायतें।
- सुरक्षापरिषदअबराजनीतिकवास्तविकताओं की नुमाइंदगी नहीं करती।
- इसके फैसलों पर पश्चिमी मूल्यों और चंद देशों का दबदबा होता है।
- सुरक्षा परिषद में बराबर का प्रतिनिधित्व नहीं है।

विश्व बैंक

- स्थापना- 1944 ई0
- मुख्यालय - वाशिंग्टन डी. सी.
- कार्य
- विश्व बैंक की गतिविधियां प्रमुख रूप से विकासशील देशों से संबंधित है यह बैंक

  (A) मानवीय विकास

  (B) कृषि और ग्रामीण विकास

  (C) पर्यावरण सुरक्षा

  (D) आधारभूत ढांचा (सड़क, शहरी विकास, विजली)

  (E) सुशासन के लिए काम करता है।
- आदेश अपने सदस्य देशों को आसान ऋण और अनुदान देता है।
- ज्यादा गरीब देशों को यह अनुदान वापस नहीं चुकाने पड़ते।

संयुक्त राष्ट्र संघ का न्यायाधिकार

संयुक्त राष्ट्र संघ के 60वीं सालगिरह को मनाने के लिए इसके सभी सदस्य देश के प्रमुख 2005 के सितंबर में इकट्ठे हुए।

इस बैठक में शामिल नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र संघ को ज्यादा प्रसांगिक बनाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाने का फैसला किया।

- 60वीं सालगिरह
- शांति संस्थापक का आयोग का गठन।

© JCERT not to be republished

- यदि कोई राष्ट्र अपने नागरिकों को अत्याचारों से बचाने में असफल हो जाए तो विश्व बिरादरी इसका उत्तरदायित्व ले।
- मानवाधिकार परिषद की स्थापना। (2006 के 19 जून के सक्रिय)
- सहस्राब्दी विकास लक्ष्य को प्राप्त करने पर सहमति।
- हर रूप रीति के आतंकवाद की निंदा।
- एक लोकतंत्र कोष का गठन।
- ट्रस्टीशिप काउंसिल को समाप्त करने पर सहमति।

संयुक्त राष्ट्र संघ में सुधार और भारत

- संयुक्त राष्ट्र संघ में सुधार और भारत
- भारत का विश्वास है संयुक्त राष्ट्र संघ के एजेंडे में विकास का मामला प्रमुख होना चाहिए क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए यह जरूरी पहली शर्त है।
- भारत सुरक्षा परिषद के स्थाई और अस्थाई दोनों ही तरह के सदस्यों की संख्या में बढ़ोतरी का समर्थक है।

विश्व व्यापार संगठन (वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन डब्ल्यूटीओ-WTO)

स्थापना – 1995 ई0

मुख्यालय – जेनेवा, स्वीटजरलैन्ड।

सदस्यों की संख्या –164

यह अंतर्राष्ट्रीय संगठन वैश्विक व्यापार के नियमों को तय करता है। यह संगठन जनरल एग्रीमेंट ऑन ट्रेड एंड टैरिफ के उत्तराधिकारी के रूप में काम करता है हर फैसला सभी सदस्यों की सहमति से किया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय आणविक ऊर्जा एजेंसी (इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी- IAEA)

स्थापना – 1957 ई0।

मुख्यालय – वियना, आस्ट्रिया।

सदस्यों की संख्या – 35

यह संगठन परमाण्विक ऊर्जा को शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने और अन्य देशों में इसके इस्तेमाल को रोकने की कोशिश करता है। इस संगठन के अधिकारी नियमित रूप से विश्व की प्रमाणिक सुविधाओं की जांच करते हैं। ताकि आणविक परमाणु संयंत्रों का इस्तेमाल सैन्य उद्देश्यों के लिए न हो।

© JCERT not to be republished

एमनेस्टी इंटरनेशनल

एमनेस्टी इंटरनेशनल एक स्वयंसेवी संगठन है यह पूरे विश्व में मानवाधिकार की रक्षा के लिए अभियान चलाता है। यह संगठन मानवाधिकारों से जुड़े रिपोर्ट तैयार और प्रकाशित करता है।

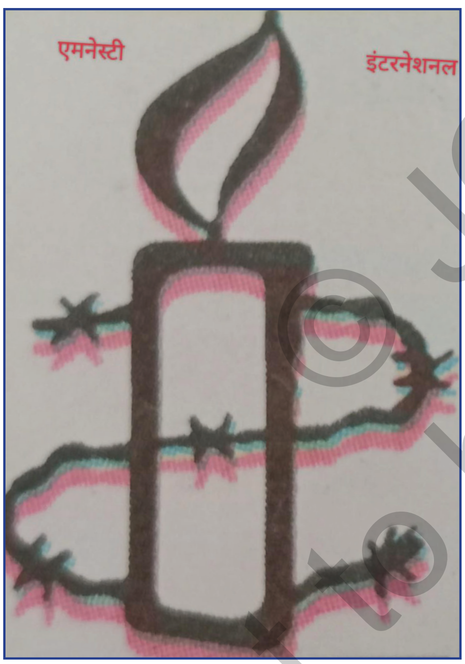

ह्यूमन राइट्स वॉच

यह भी मानवाधिकारों की वकालत और उनसे संबंधित अनुसंधान करने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवी संगठन है। यह अमेरिका का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन है।

- ह्यूमन राइट्स वॉच के कार्य
- यह दुनिया भर के मीडिया का ध्यान मानवाधिकारों के उल्लंघन की ओर खींचता है

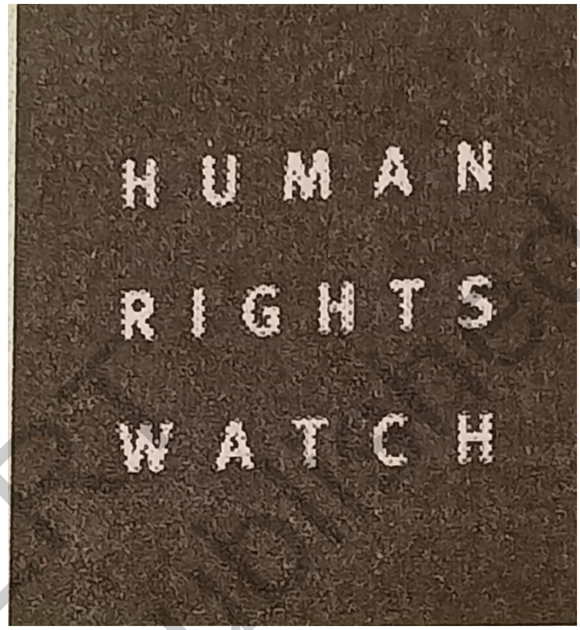

- इसने बारूदी सुरंगों पर रोक लगाने की पहल की।
- बाल सैनिकों का प्रयोग रोकने पर बल।
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय स्थापित करने के लिए अभियान चलाने में मदद की है।

एक ध्रुवीय विश्व में संयुक्त राष्ट्र संघ

एक ध्रुवीय विश्व में जहां अमेरिका सबसे ताकतवर देश है और उसका कोई गंभीर प्रतिद्वंदी भी नहीं तो क्या ऐसी स्थिति में संयुक्त राष्ट्र संघ कारगर ढंग से काम कर पाएगा? क्या संयुक्त राष्ट्र संघ अमेरिकी प्रभुत्व के विरुद्ध संतुलनकारी भूमिका निभा सकता है? क्या संयुक्त राष्ट्र अमेरिका को

© JCERT not to be republished

अपनी मनमानी करने से रोक सकता है?

अमेरिका की ताकत पर आसानी से अंकुश नहीं लगाया जा सकता है।

- संयुक्त राष्ट्र संघ में अमेरिका का वर्चस्व
- अपनी सैन्य और आर्थिक ताकत के बूते वह संयुक्त राष्ट्र संघ या किसी अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठन की अनदेखी कर सकता है
- संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट में सबसे ज्यादा योगदान करने वाला देश है
- संयुक्त राष्ट्र संघ अमेरिकी क्षेत्र में स्थित है और इस कारण भी अमेरिका का प्रभाव बढ़ जाता है
- संयुक्त राष्ट्र संघ के कई नौकरशाही इसके नागरिक हैं
- अगर अमेरिका को लगे कि कोई प्रस्ताव उसके अथवा उसके साथी राष्ट्र के हितों के अनुकूल नहीं है तो अपने वीटो से वह उसे रोक सकता है
- अपनी ताकत और निषेध अधिकार के कारण संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव के चयन में भी अमेरिका की बात बहुत वजन रखती है

इस तरह संयुक्त राष्ट्र संघ अमेरिका की ताकत पर अंकुश लगाने में सक्षम नहीं है फिर भी एक ध्रुवीय विश्व में जहां अमरिका का बोलबाला है संयुक्त राष्ट्र संघ अमेरिका और शेष विश्व के बीच विभिन्न मसलों पर बातचीत कायम कर सकता है और इस संगठन ने ऐसा किया भी है।

© JCERT not to be republished

बहुविकल्पीय प्रश्न

1) संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना कब हुई?

A) 1914 B) 1945

C) 1951 D) 1965

2) संयुक्त राष्ट्र संघ के पहले महासचिव कौन थे?

A) बान की मून

B) डेग हैमरशोल्ड

C) कोफी अन्नान

D) ट्रीगव ली

3) संयुक्त राष्ट्र संघ किसका उत्तराधिकारी है.

A) यूरोपीय संघ

B) लीग ऑफ नेशन

C) संयुक्त राज्य अमेरिका

D) इनमें से कोई नहीं

4) सुरक्षा परिषद में कितने स्थाई और कितने अस्थाई सदस्य होते हैं ?

A) 5 और 10

B) 10 और 5

C) 10 और 15

D) 15 और 10

5) सुरक्षा परिषद में कितने सदस्यों को वीटो पावर मिली है?

A) 5

B) 10

C) 15

D) 20

6) संयुक्त राष्ट्र संघ का सबसे अधिक दिखने वाला सार्वजनिक चेहरा किसका होता है?

A) अध्यक्ष

B) उपाध्यक्ष

C) महासचिव

D) प्रधानमंत्री

7) विश्व बैंक की स्थापना कब हुई है?

A) 1944 की

B) 1945

C) 1948

D) 1990

8) सुरक्षा परिषद में वीटो पावर का इस्तेमाल सबसे अधिक किस देश ने किया है?

A) ब्रिटेन

B) अमेरिका

C) फ्रांस

D) सोवियत संघ

9) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में कितने जज होते हैं?

A) 9

B) 10

C) 15

D) 20

© JCERT not to be republished

10) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का क्या कार्य है?

A) तकनीकी सहायता मुहैया कराना

B) अंतर्राष्ट्रीय वित्त व्यवस्था की देखरेख करना

C) मांगे जाने पर वित्तीय सहायता करना

D उपरोक्त सभी

ANS. 1) B, 2) C, 3) B, 4) A, 5) A, 6) A, 7) A, 8) D, 9) C, 10) D I

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. संयुक्त राष्ट्र संघ में कितने सदस्य देश शामिल हैं?

2. संयुक्त राष्ट्र संघ के कितने अंग हैं?

3. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय कहां है?

4. लीग ऑफ नेशन संगठन कब बना था?

5. संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत कब शामिल हुआ।?

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. विश्व व्यापार संगठन क्या है?

2. सुरक्षा परिषद के कार्यों का वर्णन करें?

3. सन 2005 में संयुक्त राष्ट्र संघ में क्या बदलाव किए गए?

4. एमनेस्टी इंटरनेशनल क्या है? इनके कार्यों का वर्णन करें।

5. विश्व बैंक के कार्यों का वर्णन करें?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. अंतर्राष्ट्रीय संगठन से आप क्या समझते हैं इसके क्या कार्य हैं?

2. संयुक्त राष्ट्र संघ के कितने अंग हैं वर्णन करें।

3. सुरक्षा परिषद की सदस्यता के लिए अनिवार्य मानदंडों का उल्लेख करें।

© JCERT not to be republished